

तं श्रीलक्ष्मीदेवै नमो नमः । तं भाउभभिकभलेक  
 भलायउक्ति ॥ श्रीविष्णुहृदभलकभिनविष्णुभा  
 उ ॥ श्रीगोपलकैभलकभलगहगे रि ॥ लक्ष्मीप्रभी  
 मभउं नमउं मगहे ॥ ० ॥ श्रीदेवयम्भमनेभमने  
 कभउ ॥ लोद्युभिमम्भभिमम्भनेदग्भु ॥ प्रदेउ  
 हभिमलगहउयेउहभि ॥ लक्ष्मीप्र ॥ ३ ॥ देउ  
 वेमभिमममदनममक्ति ॥ वेमभुयललगमिमे  
 कभलेविमष्टग ॥ विष्णुभुगेपि विष्णुमपिल

ल.  
मु.  
०

ठवह ॥ लक्ष्मी ॥ ३ ॥ इहं कृमिं पिलेदगरेदगे  
पि ॥ इंधं मिदं मि विमणं मिपरं पममि ॥ गं ह्वेव कु  
वदगिरं मलेदुम ॥ लक्ष्मी ॥ ४ ॥ मुरः भाव  
मगणः मगुली मपत्रे ॥ मत्रः भावगुलं कृपकल  
कलपैः ॥ एकः सुमिभदिप्रभाकलेपिलेके ॥  
यहं मुठं वपं कुरु कलकः ॥ ५ ॥ यमिदं भेक  
लमदिप्रममालं मु ॥ मुलं कलमगमिदं वकुले  
गुदं ॥ गं पत्रं लिपमोमयनेपमये ॥ भस्मीक



भूधभोगज्ञदे॥नकरगद॥सुशंरुन॥३॥पय॥३  
 भव॥३॥विपुंभय॥३॥विदुवय॥३॥महेन॥महेन  
 गमय॥सहेन॥दलेन॥भभलेन॥ठभ्रीऊरु॥भद  
 भूतदे॥भदभूतद॥पुय॥दय॥३॥विदय॥३  
 सुपगदि॥मरिदि॥भदभूतेश॥दुल॥३॥रुदु  
 ल॥३॥विपुदु॥वरुदु॥भपुभ्रमन॥भदवगद  
 भदपुदु॥वेऊठ॥नगयल॥पमनठ॥गेविम  
 दमेम॥हृधीकैम॥कैमव॥भवभरेदुमन॥भव

७.  
 वि.  
 ३

कुतवधकृग॥भवदःधुप्रपूठमन॥भवयइप्रठकृ  
 न॥भवतगभमन॥भवदिप्रममन॥भवइ  
 प्रममन॥भवगुदनिवग॥भवधधप्रममन  
 इमन॥नभेभुप्रभुद॥विस्तेगयभनपूठेभ  
 इःभवकुभएकः॥भवभेठएननःभवकीरि  
 विरमन॥भवधं॥०३ःभिद्वेविस्तेःपरभवल  
 ठः॥ननेनभममंकिहिदुधुनंनमनेपरे॥विदु  
 उदभृकविरवेभृहृमधरलिड॥॥००नीयप्रम



मभ्रमभ्रकद्वगुल्लमय ॥ ऐमुक्तभ्रगणंविभं  
 मभिवलेमउदुले ॥ ५भचवमनेष्टयैद्वविभ्रम  
 मत्रये ॥ ऐमुषः ॥ भभ्रवष्टुभिदुठयः भभ्रमदि  
 रे ॥ यमकिद्वभकीवद्वगुल्लभयीयुरः ॥ भच  
 भ्रभयीभ्रकद्वचभ्रभयीमय ॥ यभ्रद्वप्रदि  
 इल्लुष्टभ्रकद्वलिद्येदि ॥ भचकभ्रद्ववद्व  
 मल्लेष्टेष्टीभिः ॥ यद्वभ्रपगलि ॥ यभ्रवैल्ल  
 वी ॥ भप्रदिद्व ॥ य०दिभिद्व ॥ भ्रदिभिद्व ॥ भद्व





मीति॥३॥ एक किनि॥ निष्ठेति॥ धूम॥ धुगु॥  
 एक नेम॥३॥ पूरे॥ मरुति॥ भविषि॥ गायति॥  
 उवेरुभि॥ भवभुके॥ भभुति॥ पालि॥ पालि॥  
 मि॥ मि॥ भेदभिनि॥ ऐंगेति॥ ऐंदू॥ ऐंदू  
 ऐंदू॥ ऊरु॥ ऊरु॥ ऐंदू॥ ऐंदू॥ ऐंदू॥ ऐंदू॥  
 ऊरु॥ येभंदिपति॥ इकं व भेकं भवदभ॥३॥  
 दय॥३॥ उधय॥३॥ गेपय॥३॥ पय॥३॥ उदय  
 इति॥ वैलवि॥ भदसुगि॥ केभरि॥ नगभंदि॥

म.  
वि.  
५

तमि॥ मभु॥ भद्रलक्ष्मि॥ वैश्वकि॥ मयैदि॥  
मयेयि॥ मभि॥ नैरुति॥ वरुभि॥ वयवि॥ भैभू॥ तै  
मनि॥ उवुभयेरु॥ ५म॥ विदु॥ उमयेरु॥ कगि  
नि॥ तैमयेरु॥ ३॥ एये॥ वि॥ एये॥ मति॥ भुभि॥ भु  
धिविवचिनि॥ कभद्रमे॥ कभमये॥ भवकभवरु  
मे॥ भवकु॥ भुभे॥ वि॥ प॥ रु॥ ३॥ ग॥ गि॥ भ॥ इ॥ दि॥ रु  
मे॥ यमे॥ व॥ रु॥ व॥ मि॥ नि॥ भ॥ व॥ मि॥ नि॥ क॥ लि॥ क॥ भ  
लि॥ नि॥ दि॥ भ॥ रु॥ उ॥ प॥ म॥ य॥ क॥ गि॥ भु॥ ल॥ ग॥ इ॥ ए॥ ल॥ ग॥ इ॥



घृत्तिकगर्भं॥कभयभुक्तं॥गङ्गा॥३॥भवेत्पद्मेष्टुःभु  
 द्ध॥पद्मःपद्मपुत्रेभुक्तंगङ्गादेवभुक्तं॥भियोग  
 लकयभुक्तःककवत्तुमयठवेग॥गङ्गादीन्नीलीवत्  
 द्धभुक्तदुम्बिनीभुक्तंभुक्तमयः॥कुलपद्मेष्टुभुक्तंविष्टुलि  
 पिष्टुगर्भेष्टुद॥गङ्गादेवेष्टुलिष्टुभुक्तंभुक्तं  
 ठवेग॥गङ्गादेवेष्टुलिष्टुभुक्तंभुक्तंभुक्तं॥मभु  
 क्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तं॥गङ्गादेवेष्टुलिष्टुभुक्तं  
 भुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तं॥मभुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तंभुक्तं॥

च.  
वि.  
५

नमिनीभवमेदिनं॥ इरं कषिं विदु हठपाष्ट  
 धरतिरः॥ पउधुः भदुभिभरे नठये भृन एयरे॥ ने  
 भभननयोग सुनगेन रपिउधुः॥ नभएनेन भद  
 सुनहुधुनेन मरवः॥ यकार कभवतल नम किरेन  
 मरदः॥ ययेठयेन रउ सुनभभदुत्रैविधम॥ क  
 दनेवमरुउरमी करन भउभं॥ उधुएने भुभुने मवि  
 दुधलभमपिध॥ नकिद्विदुठवे इयरेधवउउरय  
 पएवयमिधमिरे भभुकेवभपिध॥ हदिधदु



गमैमेव वउडेहठयः प्रभग ॥ हृमये विहमेम्वी  
 हृयेमेनेमः दुये ॥ गऊभ नृभुगणे भम्रा गभभ  
 प्रहं ॥ धमकुमठयवैगलहउभविग्दं ॥ भयके  
 हः प्रयकुती भजवलाभउहृधि ॥ नउः पाउगेकिदु  
 दुमीका ॥ भउभं ॥ गऊलं भवेवपि नइकद वि  
 मगल ॥ प्रउः ऊभगिकः प्रहः पाहैरठलेपि  
 उइयेवठनीय भूउमीह श्रीयउभ ॥ मषरः भभ्र  
 वकुभिविदु भपिभदतले ॥ भवकुधुप्रमभंती

म.  
वि.  
७

भक्तमदकपक्षं गी ॥ अगिदुःखः पदभंगी मेरुगृह पि  
 नमिं गी ॥ दुराप्रपिममं रैयक गतुचक्रभं ॥ इकि  
 नीमकिनी भुक्तु भुक्तु रैयक गतुचक्रभं ॥ भदरैंद्री भ  
 दमजिभदः प्रहय करिं नी ॥ गोपनीयं प्रहय न भव  
 भुपचरी पडः ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥  
 ४ ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥ १८८३ ॥  
 सुले ॥ सुले ॥ सुले ॥ गतु ॥ वतु ॥ पम ॥ ३ ॥ विदुः नमय ॥  
 भदरवदः भुक्तु ॥ विरमकरमिनि ॥ भुक्तु भुक्तु ॥



द्वे॥भक्तभक्तो॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥वद्वि॥  
 नि॥कुलनि॥मपभक्तविरमिनि॥विष्वमनि॥मद्विनि॥  
 प्रविनि॥मविनि॥कैमवद्विनि॥पमपमिभद्विनि॥  
 मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥  
 मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥  
 मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥  
 मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥  
 मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥  
 मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥मद्विनि॥

पु.  
वि.  
१

एकवि॥यमप्यहं॥किमि॥३॥मिहममि॥महगे॥भम  
भमये॥भवकभमगे॥यवमनीधिंरुदंरुदमभा  
मिहृभुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥  
भुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥  
भुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥तेभुद॥  
देम॥ममेयेभमदसिहृवेभुवीमपगदि॥रुदभ  
दिभनीरमभिदुयेप०३॥भम॥पधमदरुलरभक  
सिहृयेभगदि॥नयभममीरुदिधुलेकेधविहृ।



३॥ भैरव भयभीत भवेत्तु मक्तिरियं भग॥ दत्त  
 धियोऽतीत धर्म प्रलेख्य भिन्नः॥ अलंकारे भवेत्  
 नरद्वयमभयभोग॥ उद्धमद्विद्विभुः संवेदय  
 विमलितं॥ मक्तिरिक्तं मद्धमधनधर्ममति  
 द्वा॥ हृत्पद्मधनीयं किङ्किणकुलभक्तिः॥ एव  
 द्वागगनभुक्तः पद्मद्विधमधुपं॥ मधुकरलव  
 नेहलकुलभक्तिः॥ हृत्पद्मललक्ष्मिः कुली  
 कुलिललकं॥ भक्तैरेधिपुत्रं कुपिवन्ती धनधरः॥

भप्रणरुद्धेधयतीरुगदधवलैकनग॥रिफलेन  
मउल्लिङ्गंकीलयंतीभ्रुदुदुः॥धमेनवदुअधम  
नयंतीरुदिके॥मचरइभुभभयेमेसीएयेमदव  
ले॥यभुयभुवममभपेमनेनिमादिके॥उभुउभु  
इवावभुंरुमउभधियोगिनी॥मेवलेभदवलेमपिदु  
भवनिभुदइं॥ममेभेपउमिभिहुंसीभहुंभुसीमप  
लिउंविहुंएये॥उभपेणदुगिधुमदुमिभिउउवेव॥इव  
दगेठवेदिदिपउदिनेपमउवे॥मपएलिविदुभभापुः





[illegible]

इ. वि. ०



त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥  
 त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥  
 त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥  
 त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥  
 त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥  
 त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥  
 त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥  
 त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥ त्रिनमो नमः ॥

३

[illegible]





ग.  
मु.  
७

मद्रुम ॥ य ॥ योगीश्वरय विरस्यनभैरवय ॥ ०० ॥  
 रुद्रिषिययवरमीतिभमन्नय ॥ कुलगरिद्रुवि  
 भुलघउलेमनय ॥ देवेद्रुविप्रमभनेष्टुपेरुध ॥  
 य ॥ नमय ॥ य विरस्यनभैरवय ॥ ०१ ॥ नमय ॥  
 यनरलेकपरय ॥ य ॥ कल<sup>कल</sup>यकलनयहिलेमन  
 य ॥ नमय ॥ वलविनमरुतेष्टुभय ॥ यीमयपीरति  
 लकयभदेष्टुय ॥ ०२ ॥ यमभनयभमिद्रुल  
 कुय ॥ य ॥ कंभउकयमिसुभलविनमनय ॥ गे



वरुणाय भगवते विनम्राय ॥ ०३ ॥ इन्द्राय नमः ॥  
 नमो वरुणाय ॥ ०४ ॥ इन्द्राय नमः ॥  
 यत्र यद्गच्छेत्सुखं ॥ नमः ॥ यद्गच्छेत्सुखं ॥  
 भद्रं वा दय नमः ॥ ०५ ॥ इन्द्राय नमः ॥  
 इन्द्राय नमः ॥ नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥  
 प्रसन्नं प्रसन्नं ॥ इन्द्राय नमः ॥ ०६ ॥ इन्द्राय  
 नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥  
 वरुणाय नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥

म.  
पु.  
३

उडिधुउमुभृल्लेनऊऊ॥ भदवगदधुभदीविम  
द॥ किरिउवेमभयेमगीं लेकतुगभुभनयेवर  
ति॥ ०३॥ योगीसुगंमरुविमिइभेले॥ ल्लेयंभभ  
केरुउपगभं॥ केरुभभप्रवरंवेरु॥ उंभभुम  
वंमगंभप्रपद॥ ०७॥ कदरिपकगंभभभये॥  
दिगृवरंवेरुभभनं॥ भदवलंवेरुनिधिंभु  
उभे॥ वरुभिविभंमगंभननं॥ १०॥ किगीरके  
प्रभभददनिधे॥ गृउभलेरुभभगइ॥ भीउध



CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

५.  
मु.  
८

ऐनमैनायलय त्रैरुद्रादयः त्रैरुद्रादयः  
 भुगलभुनयेषमिदुः॥ भुगलभुनयेषमिदुः॥  
 भुगलभुनयेषमिदुः॥ नभपिउंभुगलभुनयेषमिदुः॥  
 भुगलभुनयेषमिदुः॥ भुगलभुनयेषमिदुः॥  
 भुगलभुनयेषमिदुः॥ भुगलभुनयेषमिदुः॥  
 भुगलभुनयेषमिदुः॥ भुगलभुनयेषमिदुः॥  
 भुगलभुनयेषमिदुः॥ भुगलभुनयेषमिदुः॥  
 भुगलभुनयेषमिदुः॥ भुगलभुनयेषमिदुः॥



त्रैलोक्येऽपि भवेत्तु विदुः॥ पूज्यं पुनः विभक्तं  
 ननु कुतः भवः॥ ७॥ तैत्तिरीयः प्रकृत्यैव निरालम्बः  
 ले॥ भवेत्तु ननु विदुः कर्मणि कर्त्तुः॥ यद्वा  
 कर्मवत्तु विदुः पीतं भवेत्॥ अथ दत्तं विभाष्य  
 भाष्यीः॥ ८॥ अथ दत्तं विगच्छति वक्तव्यं सुगमं॥ भ  
 वद्वा भदिगच्छति भविष्यं भवेत्॥ श्रीमत्तु यत्तु  
 विभक्तं भवेत्तु विदुः॥ अथ दत्तं विदुः भवेत्तु वलि  
 तं॥ ९॥ भवेत्तु भविष्यं विदुः कर्म भवेत्तु भवेत्तु॥ १०॥

१३

येवयभिवेमनमेद्विस्तुः॥ केभयकुतयउडदभ  
णयमभूमिरीदिरेठगवडेकासगवडरेः॥ १॥ इष्ट  
सुमदभभगसुदुःइयष्ट॥ मेदेनुभासुरधिकसि  
कमयदह॥ लोकसुनिचिडिभिडः॥ २॥ उयत्रिभवे॥  
इपेरभिंदविठययस्तुःभगति॥ १॥ नदेदिठ  
सुलिधरेठियनकष्ट॥ लिफुकनेइकजलीनठ।  
मेगुमेष्टु॥ सुत्रभणःकडकेभमसकुल॥ वि  
हामकीडिमिठमगिठित्रापगुम्॥ ३॥ इष्टभु

३  
५  
५



दंरुपलवङ्गलसुभदेरु॥भंभंरुमङ्ककमङ्कम  
 डंरुलीडः॥वङ्कःभुकमठिरुमङ्कभडेडिप्रले श्री  
 डेधवजभरुलङ्कयभेकमङ्क॥७॥यमङ्कद्वियरि  
 यवियेगभंयेगलङ्क॥मेकप्रिनभकलेयेरि  
 मङ्कभङ्कः॥मःपिधंउरुपिङ्कःपमङ्कद्वियरि  
 कुमङ्कभभिवरुमङ्कवङ्कभृयेग॥१०॥भेदंभृयेग  
 भङ्कःभरुमेवङ्कय॥लीलकवभुवङ्कभिवरि  
 रिङ्कगीरुः॥मङ्कभृयेगलङ्कभृयेगलङ्कभृयेग

[illegible]

五



कन्देभयेयमययदिउधेरुमरं॥भंभउमरुभ  
केदिउउरुमरुः॥०८॥भंदिनिहविगिउरु  
भुणभ॥कलेवमीरुउविभहविभनमदिः  
मरुविभहभययसुउधेरुमरं॥निध्मीरुभनभ  
भकुरुविठेरुपत्रे॥०९॥मधुभयदिविविगठे  
पिलपिभुपत्र॥भयुमियेविठवडसुउययने  
ये॥येभदिउःकपिउदभविहृभिउरु॥विभु  
लिउनललिभहनेनिगभुः॥१०॥उभमप्रभु

५.  
मु.  
१

उहउभद्रममिधेः॥ सुयुः सिधं विठवममिध  
भविगिहउ॥ नेमुभिउविल्लिउउरुविउमे  
कलधनेधनयभं निराहउधधु॥ ०१॥ ऊरुमि।  
धः मुउिभाणभगदभिरुपः॥ ऊरुं कलेवरभमे  
धरुसेविगेदः॥ निविहउउउलनेयरुभीउिवि।  
दु॥ ऊभनलंभपुलवेमभयमुगधेः॥ ०३॥ ऊदउ  
लः पुठवरंमउभेपिकेभिउ॥ एउः भउउउरुलेरु  
इवउकभ॥ नउरुल्लेउउठवधुनयैरुभय॥ यरु

कु



७

दिउः मिगभिपद्मकरः प्रभातः ॥०७॥ त्रैधापरा  
वरमडिठवतेनत्रधु ॥ १॥ इतिरस्यमहमेभुष  
धि ॥ मंमेवयभरउगेविउप्रभातः ॥ मेवउठपभ  
मयेनपरावरउ ॥ १॥ ॥ एवेणनेविपडिउप्रकवदि  
रूपे ॥ कभठिकभभत्रयः प्रपडेप्रभंगडा ॥ लुड  
भभगधि ॥ ठगवठदीउः ॥ मिदेकषेत्रविभरणेउ  
वहुरमेव ॥ १०॥ भद्रु ॥ उरुनभनत्रधिउचयसु  
भट्टपुहुरठधिवरुभउंविणउं ॥ एउं प्रगहय

२८

५

मवेममममिदिदि॥धुभीधुगे मपगे.वडकंदग॥  
 मि॥११॥पकधुभवेसगमेडमधुधुयदु॥भदुत  
 येःपषगवधुमिभुदउतु॥मधुगुलदुडिकरंनि  
 लभययेम॥उवेउवेवमिभुमनरविधुः॥१३  
 दंवाडमेममममीमरुवेभुउवे॥भययषदुधर  
 उद्विगियेहपठ॥यदुधुलमनिपनेभिडिमीक  
 लम॥उकुउमेववभुकलवमधुउवेः॥१५॥दुधु  
 ममधुनिलगदिलयधुभटे॥मेडधुनिलभभण

२.  
 धु.  
 ३

धु



नृत्तवेनिगीदः॥ योगेनभीलिः मगाद्गतिपीडनिम्  
 भूरेभिरेनउउमेनयुल्लस्युके॥ १५॥ उभैवउवधुति  
 दंनिलकलमङ्ग॥ भक्तिमिः प्ररुडिपमलमुद्गु  
 म्॥ मभुधुनउमयनविग्भम्भमपे॥ दन्तगुद्गुक  
 लिक्ककवमदले॥ १६॥ उद्भुवः कविगैरुम्भ  
 सुभनः॥ इरीणभम्भनिउउभुवदिविमिउ॥ नविम  
 म्भमउमभुविमभुभने॥ एउउउकवमदेभला  
 ठेनुवीणे॥ १७॥ भद्भवेनिगमिभिभिउमुभिउ

७५२

स॥ कलेनगीदउपभापगिसुदुठवः॥ इभाभुनेम  
 कुविगतुभिवडिभुक्क॥ कुउमियमयभयेविउउरु  
 मच॥ ७३॥ पवेभदभुवमनडिभिरःकरे॥ नभ  
 भुकलनयनठ॥ युगफे॥ भयभयेभदुपला  
 क्रिउभत्रिवेमे॥ मधुभदभुमभपभुमेविशि  
 क्रिः॥ ७७॥ उभुठवदयमिरभुनवकुविठ॥ कुम  
 मूदवडिवलेभपुकेरुठ॥ रुदभयमुडिगल  
 भुगणभुभस॥ भउउवडियउभउउभभनेडि॥ ७८

३



उक्तं चित्तं गृह्यते वगधवर्गः ॥ द्वैकविंशत्युक्ति  
 दंभिलगद्ग्रीधर्ग ॥ यमं भद्रप्ररुधधमिषुगुत्त  
 कर्तुं ॥ कर्तुः कलौ यमवधिरुपगेषमहे ॥ ३० ॥ नेत्र  
 म्भुवकषाभुविर्जुनस ॥ भंभीयते मुनिउत्तम  
 भप्रीति ॥ कभडोदकमेककयैधलं ॥ उभिक्  
 घंउवगतिविभमभिनीनः ॥ ३१ ॥ शिर्षकतेष्ट  
 विक्रुतिभविहृत् ॥ भिषेष्टभुगुत्तं सुवल्क  
 उष्टिग ॥ ३२ ॥ निउत्तमलकृत्तमकर्मकृत् ॥

५०  
५०  
००

हः भपुडवगोदपडिलनति ॥ ३३ ॥ प्रवेभुकमपा  
 तिउठववडा ॥ भट्टेडलमभर ॥ मनठीउठीउं ॥  
 पसुएनेभुपरविगुदवोगभेइं ॥ दनुडिप ॥ रपी  
 पदि ॥ भमह ॥ ३४ ॥ केनुइउपिलगुठगवडि  
 यम ॥ ३५ ॥ भुठवभभुवलेभदेउं ॥ भुकेभुवैभ  
 दमउगुदमुउवठे ॥ किउनेउरियुलननउमेवडां ॥  
 नः ॥ ३५ ॥ नेवेडिलेपरमुरहयवडा ॥ भुष्टीदभ  
 यनभदभउभयमिउः ॥ मेमेउरेविभुयमेउभडमि

३३  
३४



यत्तु ॥ भवभाष्यरुमद्विप्रकृता ॥ ३५ ॥  
 येनैवभनयः प्रविभक्तिरुम ॥ भेनेमात्रिवि  
 नेनपगुनिधुः ॥ नेत्रिदयरुप ॥ विभभक्त  
 के ॥ नरेन्द्रभुमरुमंरुभेनेपमे ॥ ३६ ॥ यमेरुमि  
 गुरुमेपिभापदिउमे ॥ कपुयनेनकरेगिवमः  
 मः ॥ यद्विनेरुप ॥ चरुमः ॥ यरुमः ॥ कपुनि  
 वरुनभिलंविधदेउपीरः ॥ ३७ ॥ भेनरुमूत्रिउमे  
 एयनभुपम ॥ हाएरुदेपमभपयमुभवतुः ॥

५.  
५०  
००

पूषः पंगुमभउद्वलिउद्विया ॐ ॥ वङ्गठवङ्गउत्र  
 वङ्गठमभिकने ॥ ७७ ॥ कपेडमेभमभडीउववेम  
 भमे ॥ वीरुङ्ग विवत्रमङ्गमङ्गपकभू ॥ पुङ्गः भम  
 कभरुयइविमित्रउहे ॥ वेगेनवदिभिवरुमधन  
 वृः भृम ॥ ८० ॥ वङ्गपुगप्रिगवनिविद्यमभुमङ्ग ॥  
 पूलीमियालिहमयमिमत्रगुरुङ्ग ॥ भवेदमेवम  
 गुलिद्विगु ॥ ८१ ॥ वङ्गः वङ्गभूमिभनेवमभ नि  
 मङ्ग ॥ ८० ॥ वेङ्ग ॥ ८२ ॥ लिनेमरुममयेये ॥ भवे





सु.  
सु.  
०९

उमक्तिरिययमेदिन॥ भत्रुदयत्रपलकृवदु  
 ने॥०॥ दुयेनमःभद्रुसिनश्रुमेभर॥ भमभुदयपि  
 लभइप्रउये॥ पेभेउतःपगभदंष्टुसुममे॥ हवभि  
 रनभत्रभष्टुसुमे॥३॥ नभेनमसेभुभिरुयभद्र  
 उ॥ विद्राकभुयभद्रःऊयेगिनं॥ निरुभुभष्टा  
 रिमुयेनरपभ॥ भुयभनिरुद्रुलिगेभुउतमः॥३  
 यकीनंयद्रुलंयमीकलं॥ यद्रुमंयसुवुलंय  
 रुद्रलं॥ लिकभुभष्टुविपुनेतिकलपं॥३भेभरु



मृम्वभैवभैवमः॥३॥ विमक॥ अयम्वरन्निभभाम  
 न॥ इन्द्रमुद्रमुद्रयतेतुम्वनः॥ विमडिदिद्वरुगडि  
 गडकभ॥ इम्वभुठमृम्वभैवभैवमः॥५॥ इधधि  
 नेम्वभयमधिवि॥ भनधिविभुविविदःभुम्वलः  
 क्वभैवविमडिविदिविद्वन॥ इम्वभुठमृम्वभैवभैव  
 भैवमः॥६॥ किरड्वनडुपलिविभुक्कभ॥ मुठी  
 उक॥ यवनायमवयः॥ येहमभयम्वमृम्व  
 मृम्वः॥ मुडुडिउम्वभुठविम्ववैवमः॥७॥ भावध

सुदमवर्भणीसुर॥ पुयेभयीपदभयभुयेभवः॥  
 गउहलीकैरणमक्षमिनि॥ विउकुलिङ्गेठगवदु  
 भीरुः॥ ३॥ मियःपरिदल्लुपरिःपूरपरिः॥ यिये  
 परिःलोकपरिःपरंपरिः॥ परिनडिस्त्रवुकका  
 लिभादरे॥ प्रभीरुतेमेठगवमडेगडिः॥ ७॥ यम  
 दुउएवभभपिरेउय॥ यियउभमृतिदिउदभद  
 नः॥ विरुडिमउरुवयेयवरुमं॥ भभभुऊमेठगा  
 वदुभीरुः॥ १०॥ सुउमरुदिदयभभेसिउ॥ नि

सु.  
 सु.  
 ०३



कथमोयमप्रथप्रकथः॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥  
 इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥  
 इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥  
 इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥  
 इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥  
 इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥  
 इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥  
 इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥ इति॥

ग. पु. ७८

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 भुवनेश्वरी भुवनेश्वर भद्रिलोकदेव ॥ भुवनेश्वरी भु  
 वनेश्वरी भद्रिलोकदेव ॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
 विरदो ल विप्रनमिषु ॥ ३ ॥ भद्रिलोकदेव ॥ भुवनेश्वरी  
 वीरभेद ॥ भीरुकर भुवनेश्वरी ॥ भद्रिलोकदेव ॥ ४ ॥  
 य ॥ ५ ॥ सुलघट भिक्षु भवन गेवैर्भो ॥ ६ ॥  
 हृष्ट भवन भवन उदीने ॥ भद्रिलोकदेव ॥ भुवनेश्वरी  
 भद्रिलोकदेव ॥ ७ ॥ कर्णदीपिवभवे

७०  
५०

ॐ नमः शिवाय ॥ पद्मी भद्रं भवति धर्मं कुरुते ॥ उल्लेखि  
उल्लेखं गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ १ ॥ दलतलेभा  
दलतलेभा ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ २ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ ३ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ ४ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ ५ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ ६ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ ७ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ ८ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ ९ ॥ कुरुते  
कुरुते ॥ गिरिभद्रं कुरुते ॥ वरं यत् ॥ १० ॥ कुरुते





मि.  
७

हममगुक्लेकंदुवनेहुवमहये॥मममोपमभ.  
मममे॥३॥मममे॥३॥ भडभकुलकुधुममरुते॥  
इगीयभनेदं॥धदुलभनयमलेमनप्रलिङ्गदि  
भनेरुदे॥देवभिनुउरुमीकरभिकुमीददएण  
रे॥मममोपमभ॥मममे॥३॥मममे॥५॥३॥हधले  
हवगेगिलेभपिलपमभपदगिले॥दकयदुमि  
नमनेरिगु॥दकेरिलेमने॥हकिभकिहलरदंभ  
कलपमभनिरुदले॥मममे॥भ॥मममे॥१॥५॥



यद्गुरुभ्यां हृत्किं दंतुं गेम विदुषिं ॥ मे  
 लक्ष्मभुजधरिभूतमरुवभकलेव ॥ केदनील  
 गलेपामुपठति न भगवति न ॥ मम मे ॥ ५ ॥ म  
 म मे ॥ ३ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ऊजलीरुऊजले सुगभुजुं  
 ऊजले वधवदने ॥ नमस्त्रिकभरीमुरेः भुजवे व  
 डवनेमुरे ॥ मुक्तकभमिं भपा पदपादुभिरुक्तं ॥  
 मम मे ॥ ५ ॥ मम मे ॥ ३ ॥ ५ ॥ ७ ॥ ऊजवेदलभदि  
 उंतिपिभुजुं वरदेवं ॥ भवदुःखपादभप्रभेय

मि.  
३

भुक्तपकं ॥ भिभक्तगविदुवक्तुमत्रभिभपनिगि  
 लरुति ॥ यद्मोपगभ ॥ यद्मोपग ॥ रक्त ॥ ३ ॥ यद्म  
 मोपग ॥ भ ॥ ३ ॥ १ ॥ भिदुकीडभ क ॥ भुक्तुडभुवे  
 मितभत्रिणे ॥ यडडरुमलसुयः पठत्रदिउभ  
 भिदुवेकवेग ॥ मीडभयुगरेगभपिलकुभय  
 दभक्तग ॥ यद्मोपगगवउभुमदणडिभक्ति  
 भयडुः ॥ ३ ॥ ५ ॥ मीमिभुहं मभपुभ ॥ ॥  
 ॥ सुठं सुठंभ रभरभ ॥ सुठं ॥